मुचलका हाजरी व जमानतनामा बाद सजायबी

(दफा 498 व 499 जाब्ता फौजदारी)

बखिदमत अदालत.....मुकाम.....

.....

जुर्म जेर दफा

.....सन

मैं.....वल्द.....कौम.....

साकिन.....जिला.....जिसको कि अदालत मजिस्ट्रेट

.....से जेर दफा.....कैद की सजा हुई जिसको कि अदालत

.....व तारीख.....जमानत पर रिहा करने का हुक्म हुआ

है अपने आपको इस बात के लिए पाबन्द करता हूँ कि मैं अदालत.....

में या जिस अदालत में मेरा मुकद्दमा मुन्तकील हो तारीख पेशी पर या जब कभी मेरी हाजरी मतबूल होगी हाजिर हो जाउंगा | अगर इसमें कसूर करूंगा तो मैं इकरार करता हूँ की मुवालिक.....) रूपये अक्षरे रुपये तावान राजस्थान सरकार को अदा करूंगा |

फख्त तारीख..... माह..... सन 20

दस्तखत

जमानत

मैं (या हम).....वल्द.....कौम.....

साकिन.....अपने आपको (या हम में से हर अपने को मुश्तर्का.....

.....मजकूर का जामिन करार देता हूँ | (या देते है) कि यह अदालत.....

.....में या जिस अदालत में मुकद्दमा मुन्तकील हो हर पेशी पर जब कभी हाजरी मतलूब होगी हाजिर होता रहेगा और अगर वह इसमें गलती करें तो मैं इकरार करता हूँ (या हम इकरार करते है) कि.....) रूपये अक्षरे.....तावान के राजस्थान सरकार में अदा करूंगा (हम में से हर एक फीस अदा करेंगे)

फख्त तारीख..... माह..... सन 20

दस्तखत